कलियुग का अंत, भविष्य मालिका, कल्कि अवतार एवं आगामी धर्म-संस्थापना (अत्यंत संक्षेप में)

सुधर्मा महा-महा संघ (विश्व सनातन धर्म सेवा ट्रस्ट)

1) आज से लगभग 600 साल पहले भारत के ओडिशा राज्य में पांच वैष्णव संतों का जन्म हुआ जिन्हें 'पंचसखा' कहा जाता है। इनके नाम थे अच्युतानंद दास, शिशु अनंत दास, बलराम दास, जशोबंत दास और जगन्नाथ दास।

2) इन्हें 'पंचसखा' इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये पांचों संत चारों युगों में महाप्रभु श्रीहरि के मुख्य अवतारों के समय जन्म लेकर उनके सखा-शिष्य रहा करते हैं। आज से 600 साल पहले इन्होंने भगवान विष्णु के एक अवतार, चैतन्य महाप्रभु के समय जन्म लेकर उनका सान्निध्य पाया।

3) ओडिशा में जन्मे इन पंचसखाओं ने स्वयं भगवान के निर्देश एवं अपने योगबल से ताड़ के पत्तों पर प्राचीन ओड़िया भाषा में असंख्य ग्रंथों की रचना की। इनमें महापुरुष अच्युतानंद दास ने अकेले लगभग 185,000 ग्रंथों की रचना की।

4) इन 185,000 ग्रंथों में 318 वैसे ग्रंथ थे जिनमें भविष्य में होने वाली घटनाओं की भविष्यवाणियां लिखी थीं। इन्हीं 318 ग्रंथों को 'भविष्य मालिका' कहते हैं।

5) भविष्य मालिका में पंचसखाओं ने लिखा है कि सूर्य पूर्व दिशा की बजाय पश्चिम में उदित हो सकता है, पृथ्वी दो भागों में विभक्त हो सकती है, पर्वत के शिखर पर कमल खिल सकता, आग उष्णता के बदले शीतलता प्रदान कर सकती है लेकिन पंचसखाओं की वाणी कदापि नहीं टल सकती है।

उपर्युक्त पंक्तियों से पंचसखा हमें यह समझाना चाहते हैं कि असंभव चीजें भी संभव हो सकती हैं लेकिन उनकी एक भी वाणी गलत नहीं हो सकती क्योंकि स्वयं श्रीहरि ने उन्हें लिखवाया है।

6) भविष्य मालिका में वर्तमान काल तक के लिए लिखित असंख्य भविष्यवाणियां सच हो चुकी हैं।

जैसे- प्रथम विश्वयुद्ध, द्वितीय विश्वयुद्ध, भारत-पाकिस्तान युद्ध, भारत की आजादी, बांग्लादेश युद्ध, कोरोना महामारी, अटल बिहारी वाजपेयी का प्रधानमंत्री बनना, महात्मा गांधी का जन्म, महात्मा गांधी की मृत्यु, नाथूराम गोडसे का जिक्र, मोतीलाल नेहरू का उल्लेख, आदि।

7) मालिका (भविष्य मालिका का संक्षिप्त नाम) के अनुसार कलियुग की सम्पूर्ण अवधि 432,000 वर्षों की थी लेकिन मनुष्यों द्वारा अत्यधिक पापकर्मों के कारण यह अवधि घटकर सिर्फ 5,000 वर्षों की ही रह जाएगी। वह कहती है कि यह अवधि अब खत्म हो चुकी है। उसके अनुसार भगवान कल्कि मनुष्य शरीर में इस पृथ्वी पर जन्म भी ले चुके हैं और अभी गुप्त रूप से रह रहे हैं। सिर्फ गिने चुने भक्तों को ही उनके बारे में पता चल सकेगा। प्रभु का दर्शन तो और भी कम लोगों को प्राप्त होगा। कल्कि के जन्म लेने का उद्देश्य है पृथ्वी पर सारे पापों को खत्म कर सत्य, धर्म और न्याय की स्थापना करना।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा था-

परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्। धर्मसंस्थापनार्थाय संभवामि युगे युगे।।

अर्थात, साधुओं (भक्तों) की रक्षा और पापियों के विनाश के लिये तथा धर्म की भलीभांति स्थापना करने के लिये मैं युग-युग में प्रकट हुआ करता हूं।

वर्तमान में भगवान कल्कि भी इसी उद्देश्य से प्रकट हुए हैं।

8) मालिका के अनुसार आने वाले दो-चार सालों में यानी साल 2025 से 2028 तक पूरी पृथ्वी भीषण युद्ध (तीसरा विश्वयुद्ध), खतरनाक महामारियां, विनाशकारी भूकंप, अभूतपूर्व जलप्रलय, पवनप्रलय, सौर तूफान आदि का प्रकोप देखने वाली है। मालिका बताती है कि भारत का चीन, पाकिस्तान और 12 अन्य देशों के साथ भीषण युद्ध होगा। युद्ध के दौरान ही बड़ी-बड़ी प्राकृतिक आपदाएं भी आएंगी। पृथ्वी की जनसंख्या अभी की तुलना में बहुत कम हो जाएगी। अभी विश्व

की जनसंख्या लगभग 800 करोड़ है लेकिन आनेवाले दो-चार वर्षों में जो प्रलयंकारी घटनाएं होंगी उनके बाद पूरे विश्व में बस 64 करोड़ लोग ही बचेंगे।

ये 64 करोड़ वे लोग होंगे जो सत्य, धर्म, न्याय के पथ पर चल रहे हैं एवं भगवान के भक्त हैं। मालिका बताती है कि सारे दुष्ट एवं पापियों का अंत होगा। अभी पृथ्वी पर हर तरह के पाप हो रहे हैं लेकिन जल्द ही सारे पाप खत्म होंगे और सत्ययुग का शुभागमन होगा।

9) भविष्य मालिका के अनुसार साल 2024 में होने वाला चुनाव भारत का अंतिम आम चुनाव होगा। भारत का अंतिम प्रधानमंत्री एक ऐसा व्यक्ति होगा जो योग-साधना करने वाला, शाकाहारी एवं निःसंतान होगा। सनातन धर्म पर उसका अटूट विश्वास होगा। ऐसा ही एक व्यक्ति (मालिका का इशारा मोदीजी की तरफ है) भारत का प्रधानमंत्री बनेगा जिसके शासनकाल में भारत का पाकिस्तान और चीन के साथ भीषण युद्ध होगा।

10) मालिका 600 साल पहले लिखी गयी थी लेकिन उसमें आज के कई शहरों एवं देशों के नाम आज की ही तरह लिखे हैं और उनसे सम्बंधित भविष्यवाणियां भी लिखी हैं। मालिका के अनुसार भारत के कई शहरों पर भयावह मिसाइल हमले होंगे जैसे कोलकाता, दिल्ली, मद्रास, मुंबई, इत्यादि जिनसे उन्हें भीषण क्षति पहुंचेगी।

11) मालिका के अनुसार आने वाले दो-चार साल पूरी पृथ्वी के लिए भयंकर होंगे जिनके दौरान सब कुछ बदल जाएगा। कम शब्दों में कहा जाए तो जो कुछ भी हम अपने आसपास अभी देख रहे हैं, वह सब कुछ अकल्पनीय ढंग से बदल जाएगा। ऐसा परिवर्तन होगा जिसकी कल्पना भी अभी नहीं की जा सकती है। 2025-28 के अंदर ही मोबाइल, कंप्यूटर, इत्यादि सदा के लिए निष्क्रिय हो जाएंगे। स्कूल, कॉलेज एवं अन्य संस्थान भी बंद हो जाएंगे। मालिका के अनुसार उसी अवधि में अमेरिका का 75% भाग समुद्र में डूब जाएगा, यूरोप के देशों में युद्ध एवं प्राकृतिक आपदाओं से बहुत बड़ा विनाश होगा, पाकिस्तान बर्बाद हो जाएगा, चीन भीषण भूकंप से कई टुकड़ों में बंट जाएगा।

12) भगवान कल्कि इन आपदाओं से अपने भक्तों की रक्षा करेंगे। भक्तों को भी चाहिए कि वे भगवान कल्कि के द्वारा बतायी गयी सारी बातों का अनुसरण करें ताकि वे आगामी विभीषकाओं से बचकर आनेवाले युग (सत्ययुग) में जा पाएं।

13) अगर आप समय रहते सचेत हो जाते हैं तो समझ जाइए कि आप पर भगवान की विशेष कृपा है। मालिका के अनुसार साल 2025 के मार्च महीने से सभी घटनाएं तीव्र रूप धारण करेंगी। ओडिशा के तो लाखों लोग मालिका पर विश्वास करते हैं। लेकिन मालिका में यह भी लिखा है कि मालिका सारे लोगों के लिए नहीं है, अधिकतर लोगों को तो इसके बारे में पता ही नहीं चल सकेगा। जिन्हें पता चलेगा उनमें से अधिकतर लोगों को इन बातों पर विश्वास नहीं होगा। वे अपनी दुनिया में ही मस्त रहेंगे। बहुत गिने-चुने लोग ही होंगे जो इन बातों को गंभीरता से लेंगे। साल 2025 के बाद जब अत्यंत बुरे समय की शुरुआत हो जाएगी तब असंख्य लोग मालिका पर विश्वास करने लगेंगे। लेकिन तब शायद देर हो चुकी होगी।

यदि आप 'भविष्य मालिका' और उसकी भविष्यवाणियों के बारे में और अधिक जानना चाहते हैं, आगे आनेवाले अत्यंत कठिन समय के दौरान सुरक्षित रहने के उपाय अपनाना चाहते हैं, भगवान कल्कि के विषय में अधिक जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक हैं, उनके दर्शन करना और सत्ययुग में प्रवेश पाना चाहते हैं तो कृपया Kalki Avatar - The Official Channel नामक यूट्यूब चैनल पर जाएं-

https://www.youtube.com/@Kalki_Avatara/videos

- **गौरव भाई - 16.05.2024**